भारतीय मानक ब्यूरो
BUREAU OF INDIAN STANDARDS
मानक : पथप्रदर्शक :

मानक भवन, 9 बहादुरशाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002
Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002

दूरभाष Phones 2323 0131, 2323 3375, 2323 9402
Website : www.bis.org.in
e-mail :
तार : मानकसंस्था
Grams : Manaksanstha

सफल को-क्लियर इम्प्लांट सर्जन:
डॉ. जे. एम. हंस

डॉ. जे. एम. हंस नाम है जीवित किम्वदंती (Living Legend) का, जिन्होंने तुलसीदास की उक्ति "सुनै बिनु काना" को वस्तुत: साकार कर सैकड़ों श्रवण शक्ति से रहित बच्चों और बड़ों के जीवन में 'आवाज' सुनने की शक्ति देकर उन्हें नवजीवन दिया है। सफल सर्जन के साथ-साथ बेहद अच्छे इंसान डॉ. हंस अभी तक 600 से अधिक को-क्लियर इम्प्लांट सर्जरी कर चुके हैं, जिनमें पाकिस्तानी 18 वर्षीय फातिमा भी शामिल है, जो 6 वर्ष की उम्र में श्रवण शक्ति खो चुकी थी। उन्होंने आडिटरी नर्व रहित दो बच्चों की ऑडिटरी ब्रेनस्टेम सर्जरी भी किया है, जिनमें लद्दाख लेह की ढाई वर्षीया त्सेसला (Tsesla) शामिल है। कई रिकार्ड डॉ. हंस के नाम हैं और भविष्य में और अनेक रिकार्ड जुड़ेंगे। पद्मश्री से सम्मानित डॉ. हंस के व्यक्तित्व का सबसे सुखद पहलू इनकी विनम्रता व तेजोमंडल विराजती मधुर मुस्कान है, जो उनके रोगी को आश्वस्त करती है, कि वे माँ की गोद से अधिक सुरक्षित हाथों में हैं। डॉ. हंस के पास असय अजस्त्र ऊर्जा का भंडार है, तभी वे समाज के इस वंचित वर्ग की सेवा में हर पल जुटे रहते हैं - अनथक, अनवरत और इस यात्रा में उनकी जीवनसंगिनी, पेशे से डॉक्टर डॉ. चारु हंस का योगदान भी कमतर नहीं है।

निरंतर नई-नई ऊँचाइयों को छूने वाले डॉ. हंस का व्यक्तित्व अत्यंत सरल व सहज है। मधुर मुस्कान और विनम्रता से ओत प्रोत उनका व्यक्तित्व अपने पेशेंट, जिनमें से अधिकांश हर आयु-वर्ग के बच्चे हैं, से सहज ही अंत-संबंध स्थापित कर लेता है। जितना सहज और सरल उनका व्यक्तित्व है, उतने ही दृढ़ और सिद्धांतवादी हैं डॉ. हंस - अपने पेशेंट के लिए वे शासन और सत्ता से टकराते रहे हैं और इसके लिए उन्होंने कभी कैरियर की परवाह नहीं की। सत्ता का संवेदनहीन निरंकुश और अमानवीय रूप उन्हें व्यथित करता है। गैरजरूरी मदों में जनता के धन का अपव्यय उन्हें सालता है क्योंकि यही धन कई बधिर बच्चों को सामान्य जीवन बिताने में सक्षम बना सकता है, कितने बधिर शिशु व किशोर श्रवण शक्ति व वाणी पाकर समाज में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। यह भावना उनकी मानवीय संवेदना को व्यक्त करती है। यदि उनके हाथ में सत्ता की शक्ति और स्रोत-संसाधन उपलब्ध हो तो भारत में कोई भी श्रवण-विकलांग नहीं होगा। यही है डॉ. हंस के सपनों का भारत-रामराज्य की कल्पना का साकार रूप - बधिरता से पूर्णतः मुक्त। अपने सेवा धर्म और कर्म के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध डॉक्टर हंस की निस्स्वार्थ मानवता-सेवा उन्हें शक्ति देती है और निरंतर ऊर्जा, स्फूर्ति और प्रसन्नता से युक्त इनका व्यक्तित्व उन्हें मनुष्यों में ईश्वर के समकक्ष पहुंचाता है।

उनके लिए पहली प्राथमिकता उनके पेशेंट हैं, मेरी बेटी भव्या शर्मा अत्यंत अंतर्मुखी और शर्मीली है। कभी किसी डॉक्टर के पास लेकर जाना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। किंतु उसने आपरेशन के उपरांत भी ड्रेसिंग और स्टिचिंग डॉ. हंस के हाथों आराम से कराई। अभी भी कोई समस्या होने पर

वह डॉ. हंस के पास जाने को बेहद उत्सुक रहती है, डॉ. हंस को वह अपना सबसे बड़ा शुभचिंतक मानती है और उनसे ऐसे व्यवहार करती है मानो वे उसके हमउम्र मित्र हों। निश्चिंत भाव से डॉक्टर साहब के सामने रखी कुर्सी पर बैठकर उनके निर्देशों का पालन करके चैक-अप कराती है। मैं उसे देखकर हैरान रह जाती हूं कि जो बच्ची इंजेक्शन लगवाने और ब्लड-टैस्ट कराने के लिए जाने को तैयार नहीं होती और इतना रोती है व चिल्लाती है कि आस पास के सभी लोग उसे देखने लगते हैं, वही भव्या आपरेशन के बाद आराम से कुर्सी पर बैठकर स्टिच करवाती है। आपरेशन के दौरान, एक भी दिन ऐसा नहीं था, जब डॉक्टर साहब ने स्वयं दिन में एक बार आकर भव्या को न देखा हो। नर्सिंग होम में भव्या को शिफ्ट करने से पूर्व वहां की स्वच्छता का उन्होंने स्वयं निरीक्षण किया। कक्ष साफ न होने पर कक्ष बदलने का निर्देश दिया। एक आपरेशन के बाद तुरंत दूसरा आपरेशन भव्या का था, किंतु यह सफल सर्जरी करने के तुरंत बाद उन्होंने कक्ष का भी निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाएं खुद देखीं। आरंभ से ही वे आपरेशन से संबद्ध हर बारीकी पर नजर रखते हैं, और हर संबद्ध छोटे से छोटा कार्य वे खुद करते हैं - यही उनकी शत प्रतिशत सफलता का रहस्य है।

डॉ. हंस को सपरिवार हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-साथ नमन। ईश्वर उनको बहुत लंबी उम्र दे ताकि मानवता का अधिक से अधिक भला हो।

सुमेधा शुभदर्शिनी शर्मा
SUMEDHA S. SHARMA
सहायक नि[illegible] म.अ.कें.
Assistant [illegible] CRO
भारतीय [illegible]